



Ashutosh Mishra



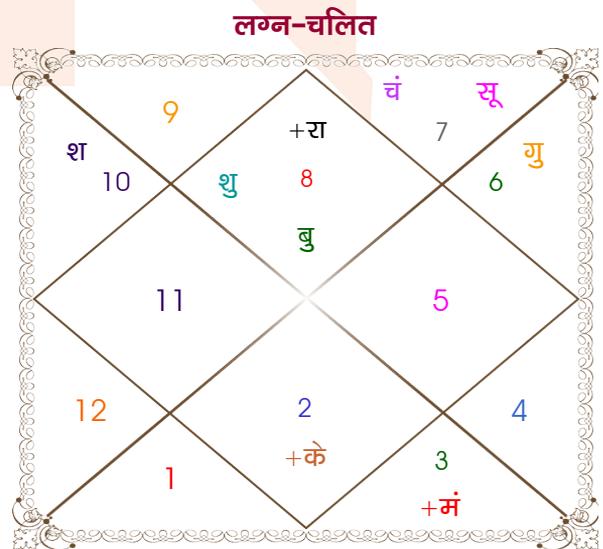
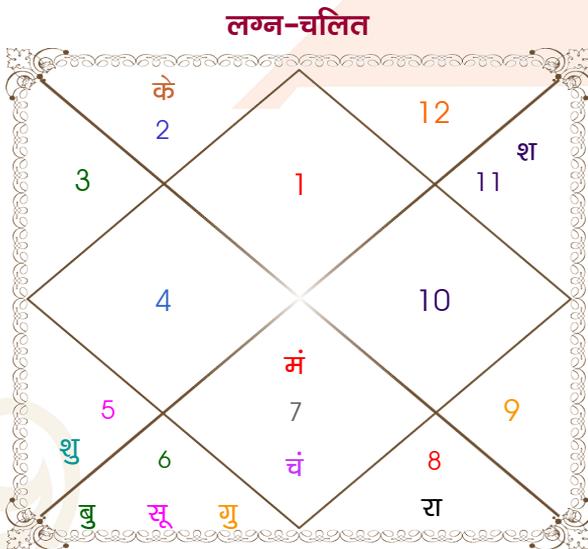
Priyanka tripathi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121114803

पुल्लिंग : \_\_\_\_\_ लिंग \_\_\_\_\_ : स्त्रीलिंग  
 18/09/1993 : \_\_\_\_\_ जन्म तिथि \_\_\_\_\_ : 26/10/1992  
 शनिवार : \_\_\_\_\_ दिन \_\_\_\_\_ : सोमवार  
 घंटे 19:55:00 : \_\_\_\_\_ जन्म समय \_\_\_\_\_ : 08:00:00 घंटे  
 घटी 35:22:58 : \_\_\_\_\_ जन्म समय(घटी) \_\_\_\_\_ : 04:47:12 घटी  
 India : \_\_\_\_\_ देश \_\_\_\_\_ : India  
 Basti : \_\_\_\_\_ स्थान \_\_\_\_\_ : Rewa  
 26:48:00 उत्तर : \_\_\_\_\_ अक्षांश \_\_\_\_\_ : 24:32:00 उत्तर  
 82:44:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ रेखांश \_\_\_\_\_ : 81:18:00 पूर्व  
 82:30:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ मध्य रेखांश \_\_\_\_\_ : 82:30:00 पूर्व  
 घंटे 00:00:56 : \_\_\_\_\_ स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_ : -00:04:48 घंटे  
 घंटे 00:00:00 : \_\_\_\_\_ ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_ : 00:00:00 घंटे  
 05:45:48 : \_\_\_\_\_ सूर्योदय \_\_\_\_\_ : 06:08:27  
 18:00:15 : \_\_\_\_\_ सूर्यास्त \_\_\_\_\_ : 17:28:56  
 23:46:25 : \_\_\_\_\_ चित्रपक्षीय अयनांश \_\_\_\_\_ : 23:45:40

विंशोत्तरी राहु 17वर्ष 7मा 9दि गुरु		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी राहु 10वर्ष 2मा 7दि शनि
	29/04/2011	01:54:34	कन्या	सूर्य	तुला	09:10:11	03/01/2019
	29/04/2027	06:57:25	तुला	चंद्र	तुला	12:27:15	02/01/2038
गुरु	16/06/2013	00:32:07	तुला	मंगल	मिथु	27:12:49	शनि
शनि	28/12/2015	17:53:31	कन्या	बुध	वृश्चि	02:05:34	05/01/2022
बुध	04/04/2018	24:53:48	कन्या	गुरु	कन्या	09:27:13	बुध
केतु	11/03/2019	02:34:51	सिंह	शुक्र	वृश्चि	13:58:06	केतु
शुक्र	09/11/2021	01:06:36	कुंभ	शनि	मक	18:08:38	शुक्र
सूर्य	28/08/2022	11:48:51	वृश्चि	व राहु	वृश्चि	28:45:56	सूर्य
चन्द्र	28/12/2023	24:29:15	वृष	व केतु	वृष	28:45:56	चन्द्र
मंगल	03/12/2024	24:38:21	धनु	व हर्ष	धनु	20:44:48	मंगल
राहु	29/04/2027	29:33:10	धनु	व नेप	धनु	22:38:32	राहु
			तुला	प्लूटो	तुला	28:19:05	गुरु
							02/01/2038



## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	महिष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>28.00</b>		

गोनजवी डपीतं का वर्ग मृग है तथा च्त्पलंदां जतपचंजीप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार गोनजवी डपीतं और च्त्पलंदां जतपचंजीप का मिलान अत्युत्तम है।

### मंगलीक दोष मिलान

गोनजवी डपीतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।  
न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र गोनजवी डपीतं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

च्त्पलंदां जतपचंजीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।**

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः ।**

### त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि चतुर्दशं जतपंचंजीप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

### शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत् । तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत् ।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु गीनजवी डपीतं कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

### त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः । त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि गीनजवी डपीतं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

गीनजवी डपीतं तथा चतुर्दशं जतपंचंजीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।